संक्षेप में

टाटा मोटर्स जुटाएगी 1,000 करोड़ रुपये

टाटा मोटर्स ने शुक्रवार को कहा कि वह प्रतिभूतियों के माध्यम से 1,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। टाटा मोटर्स ने एक नियामकीय सूचना में बंबई स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि कंपनी 1,000 करोड़ रुपये की रेटिंग वाला, सूचीबद्ध, सुरक्षित, विमोच्य, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) की पेशकश करने को इच्छुक है। इस संबंध में, टाटा मोटर्स 20 मई, 2020 को अपने निदेशक मंडल समिति की बैठक आयोजित करेगी। टाटा मोटर्स ने कहा कि उक्त निर्गम को 27 मार्च को बोर्ड की मंजूरी के बाद जारी किया जाएगा। बाजार की खस्ताहाल स्थिति के कारण, पिछले सप्ताह टाटा मोटर्स ने 1,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए एक एनसीडी निर्गम को वापस लेने का फैसला किया था। *भाषा*

सेबी ने ब्रोकरों के लिए रिपोर्ट जमा करने की सीमा बढ़ाई

बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को कोरोनावायरस महामारी के मद्देनजर ब्रोकरों के लिए ग्राहकों की फंडिंग और दैनिक मार्जिन संबंधी रिपोर्ट जमा करने की समयसीमा 30 जून तक बढ़ा दी। नियामक ने दूसरी बार ब्रोकरों के लिए समयसीमा में बढोतरी की है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि शेयर बाजार के प्रतिनिधियों के साथ हालात की समीक्षा के बाद यह निर्णय किया गया। सेबी ने अप्रैल महीने और मार्च तिमारी की रिपोर्ट जमा करने के लिए ब्रोकरों को 30 जून तक का समय दिया है। यह रिपोर्ट 31 मई तक जमा करनी थी। इसके अलावा सेबी ने केवाईसी जानकारी जमा करने के संबंध में भी नियमों में ढील दी है। *भाषा*

वैक्सीन में लगेंगे दो साल : नोवार्तिस

रॉयटर्स
ज्यूरिख, 15 मई

प्रमुख औषधि कंपनी नोवार्तिस के मुख्य कार्याधिकारी ने कहा है कि नए कोरोनावायरस से लड़ने में सक्षम टीका तैयार होने में कम से कम दो साल लगेंगे। कंपनी अब टीका नहीं बनाती है और यह जानकारी जर्मनी के एक अखबार ने दी।

नोवार्तिस ने अपना वैक्सीन कारोबार साल 2015 में ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन को बेच दिया था, जो विश्व भर में इसके लिए दवा बनाने की दौड़ में शामिल कंपनियों में से एक है। कुछ कंपनियां पहले से ही मानव पर टीके की जांच कर रही है।

नोवार्तिस के सीईओ वी. नरसिम्हन ने कहा, वैक्सीन के पहले क्लिनिकल अध्ययन के नतीजे शरद ऋतु में आएंगे। अगर सबकुछ हमारे उम्मीद के मुताबिक रहा तो वैक्सीन में 24 महीने लग जाएंगे। उदाहरण के लिए मोडेरना इंक ने कोविड-19 वैक्सीन पर काम में तेजी ला दी है और कहा है कि वह जल्द ही इसका ट्रायल शुरू करेगी। लेकिन विशेषज्ञों ने कहा कि साल 2021 में कोई भी वैक्सीन इस्तेमाल के लिए तैयार नहीं हो पाएगा क्योंकि इस संक्रमण से करोड़ों लोगों को बचाने के लिए इसकी विस्तृत जांच जरूरी होगी।

वैक्सीन कारोबार बेचे जाने से पहले नरसिम्हन नोवार्तिस के वैक्सीन डेवलपमेंट के प्रमुख थे। उन्होंने कहा कि दुनिया के लिए पर्याप्त वैक्सीन का उत्पादन भी एक चुनौती होगी। उन्होंने कहा कि एक फैक्टरी बनाने में सामान्य तौर पर तीन से चार साल लगते हैं। इसी वजह से यह प्रक्रिया लंबी है। हमें इसकी बड़ी मात्रा बनाने के लिए मौजूदा प्रोडक्शन नेटवर्क का इस्तेमाल करना होगा।

- नोवार्तिस ने अपना वैक्सीन कारोबार ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन को 2015 में बेच दिया था
- फैक्टरी बनाने में सामान्य तौर पर तीन से चार साल लगते हैं जिससे प्रक्रिया लंबी हो जाती है

उधर, ब्रिटेन की सबसे बड़े कोविड-19 टीका योजना के तहत बंदरों पर किए गए एक छोटे से अध्ययन में सकारात्मक परिणाम नजर आए हैं। इस टीके का परीक्षण फिलहाल ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी कर रही है। परीक्षण में लगे अनुसंधानकर्ताओं ने कहा है कि टीके से रीसस मैकेक्यू प्रजाति के बंदरों के प्रतिरोधी तंत्र द्वारा घातक वायरस के असर को रोके जाने के संकेत मिले हैं और इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं दिखा है।

छोटे मॉलिक्यूल में बायोकॉन का बड़ा निवेश

चौथी तिमाही के कमजोर नतीजों के बाद बायोकॉन के सीईओ एवं एमडी **सिद्धार्थ मित्तल** ने **समरीन अहमद** के साथ एक साक्षात्कार में कहा कि कोविड-19 का मौजूदा तिमाही में बायोलॉजिक्स व्यवसाय पर करीब 100 करोड़ रुपये तक का प्रभाव पड़ा है, लेकिन कंपनी वर्ष 2022 तक इस सेगमेंट से 1 अरब डॉलर के राजस्व लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने छोटे मॉलिक्यूल सेगमेंट में अगले तीन-चार साल में 2,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजनाओं का भी खुलासा किया। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश:

बायोकॉन के लिए चौथी तिमाही के आंकड़ों पर कोविड-19 का कितना प्रभाव पड़ा?

सेवा कंपनी होने की वजह से शोध इकाई सिनगेन लॉकडाउन के दौरान कर्मचारियों को वर्क-फ्रॉम-होम की सुविधा देने में सक्षम थी। छोटे मॉलिक्यूल के मामले में, हालांकि हमारी बिक्री का बड़ा हिस्सा तिमाही के तीसरे महीने से जुड़ा हुआ था। पिछले कुछ वर्षों के दैरान हमने इन तीन महीनों में बिक्री में 30:30:40 का अनुपात दर्ज करने की कोशिश की है। हम तिमाही के आखिरी महीने में बिक्री की बुकिंग पर पूरी तरह निर्भर नहीं रहे हैं। बायोलॉजिक्स सेगमेंट में, ज्यादातर खेपें आखिरी सप्ताह के दौरान नियोजित थीं और जब लॉकडाउन की घोषणा हुई, आउटबाउंड लॉजिस्टिक प्रभावित हुआ, क्योंकि उड़ानों में बड़ी तादाद में कमी आई। बायोलॉजिक्स सेगमेंट के उत्पादों को 2-8 डिग्री सेंटीग्रेट वाले कंटनरों में भेजे जाने की जरूरत होती है। सालाना आधार पर यह बायोलॉजिक्स व्यवसाय के लिए 100 करोड़ रुपये का नुकसान था, और ज्यादातर दबाव कोविड-19 की वजह से देखने को मिला।

क्या कंपनी बायोलॉजिक्स सेगमेंट में वर्ष 2022 तक 1 अरब डॉलर के राजस्व लक्ष्य को पूरा कर पाएगी?

हां, बायोसिमिलर टीम को यह लक्ष्य हासिल होने का भरोसा है और हम अगली तिमाही से सुधार की उम्मीद कर रहे हैं। वित्त वर्ष 2021 की दूसरी तिमाही तक हमें वृद्धि की रफ्तार सामान्य होने की संभावना है, क्योंकि हमने अपनी जोखिम प्रबंधन रणनीतियों पर अमल किया है।

राजस्व के संदर्भ में लघु मॉलिक्यूल व्यवसाय बायोलॉजिक्स सेगमेंट से आगे है। कब तक इस सेगमेंट के 1 अरब डॉलर वाला व्यवसाय बन जाने की संभावना है?

बायोकॉन ने लघु मॉलिक्यूल के साथ दो दशक पहले अपना फार्मा व्यवसाय शुरू किया था और 10 वर्षों में हमें इस सेगमेंट से पूरा राजस्व हासिल हुआ है। पिछले 10 साल में हमने बायोसिमिलर में बड़ा निवेश किया और लघु मॉलिक्यूल सेगमेंट में मुश्किल से ही कोई निवेश किया गया। हम अब आरऐंडडी एवं निर्माण क्षमता, दोनों में एपीआई और जेनेरिक फॉर्मूलेशन के पोर्टफोलियो में पुन: निवेश शुरू कर रहे हैं।

इन निवेश का क्या योजनाएं हैं? आप कितने उत्पाद पेश कर रहे हैं?

हमारा मुख्य जोर फर्मेंटेशन, सेमी-सिंथेटिक उत्पादों, और कॉम्पलेक्स एपीआई पर बना रहेगा। कुल मिलाकर, एपीआई में हम हर साल 5-10 नई उत्पाद पेशकशों के आवेदन की संभावना तलाश रहे हैं। जेनेरिक फॉर्मूलेशंस में, हम सालाना 5-6 उत्पाद पेशकशों की संभावना तलाशेंगे। अगले 3-4 साल में, हम लघु मोलीक्यूल्स सेगमेंट में करीब 2,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च की संभावना तलाश रहे हैं। इसका बड़ा हिस्सा विशाखापत्तनम में निवेश होगा जहां हम एक नई फर्मेंटेशन इकाई बना रहे हैं। इस इकाई पर करीब 600 करोड़ रुपये का निवेश किया जा रहा है। शेष निवेश हमारे अन्य सभी कार्य स्थलों पर किया जाएगा।

क्या कोविड-19 की वजह से जेनेरिक फॉर्मूलेशन उत्पादों के लिए मांग बढ़ेगी?

हम जिन क्षेत्रों में परिचालन करते है वे क्रॉनिक थेरेपीज हैं, जिनमें मांग में उतार-चढ़ाव की आशंका नही दिख रही है। ऐसा समय आ सकता है जब ग्राहक स्टॉकिंग पर ध्यान दें, लेकिन मांग पुरी तरह गायब नही होगी।

कंपनी ने यूएई में नियोफार्मा के साथ अपना जेबी समाप्त क्यों किया? क्या आप बाजार से पूरी तरह बहार हो गए हैं?

यूएई ने पिछले साल बाजार में अपनी मूल्य निर्धारण व्यवस्था में बदलाव किया है, जिसमें दवा कीमतों को अमेरिका और यूरोप से जोड़ने के बजाय इन्हें घरेलू बाजार से जोड़ने पर ध्यान दिया गया। इसकी वजह से कई दवाओं की कीमतों में कमी आई।

फ्रैंकलिन के निवेशकों के भुगतान में देरी संभव

जश कृपलानी
मुंबई, 15 मई

फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्युचुअल फंड (एफटीएमएफ) ने अपनी छह योजनाओं को बंद करने की प्रक्रिया के संबंध में यूनिटधारकों से गुरुवार को संपर्क किया। एफटीएमएफ ने यूनिटधारकों को बताया कि ट्रस्टियों को संबंधित योजनाओं की होल्डिंग को भुनाने के लिए उनके द्वारा अधिकृत किए जाने की जरूरत होगी क्योंकि इसके बिना पुनर्भुगतान प्रक्रिया में देरी हो सकती है।

फंड हाउस ने कहा, 'यदि ट्रिस्टियों को योजना की परिसंपत्तियों के निपटान के लिए अधिकृत नहीं किया गया तो इस प्रकार की परिसंपत्तियों को भुनाने और उससे प्राप्त रकम के वितरण की प्रक्रिया में देरी हो सकती है।' फंड हाउस ने यह भी कहा है कि भुगतान की प्रक्रिया आदि के बारे में मतदान प्रक्रिया के सफल समापन के बाद ही कोई अंतिम निर्णय लिया जा सकता है।

प्लानरुपी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज के संस्थापक अनमोल जोशी ने कहा, 'निवेशकों को अपने वोट का इस्तेमाल सुनिश्चित करना चाहिए कि वे इस वाइंडअप प्रक्रिया के लिए ट्रिस्टियों को अधिकार देना चाहते हैं। उसके बाद ही हम इन योजनाओं को बंद करने के लिए अगले चरण में ले जा सकते हैं।'

- ट्रस्ट्रियों को अधिकृत नहीं किया गया तो भुगतान में होगी देरी
- वाइंडअप प्रक्रिया पर मतदान के लिए यूनिटधारकों से फंड हाउस ने किया संपर्क

उन्होंने कहा, 'हमें यह देखना होगा कि वह कैसे होगा क्योंकि वर्तमान नियामकीय ढांचे के तहत यह प्रक्रिया स्पष्ट नहीं है कि नकारात्मक मतदान की सूरत में क्या करना होगा।'

फंड हाउस ने अपनी छह योजनाओं को बंद करने के कारणों का दोबारा जिक्र करते हुए कहा है कि उसकी मंशा यूनिटधारकों के लिए मूल्य को संरक्षित करना और जल्द से जल्द रकम लौटाना है। इसके अलावा फंड हाउस ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के म्युचुअल फंड संबंधी नियमों के 41वें नियमों का उल्लेख करते हुए कहा कि वाइंडअप प्रक्रिया के लिए यूनिटधारकों द्वारा ट्रिस्टियों को अधिकृत करने की आवश्यकता होगी। एफटीएमएफ ने यह भी स्पष्ट किया कि नकारात्मक मतदान इन योजनाओं को बंद करने के निर्णय को नहीं पलटेगा और न ही नए सिरे से खरीदारी अथवा भुनाने की प्रक्रिया शुरू होगी।

फंड हाउस ने कहा कि बंद होने वाले कुछ फंडों में उधारी के स्तर में कमी देखी गई है क्योंकि इनमें कूपन, निर्धारित परिपक्वता एवं पूर्व भुगतान के जरिये नकदी प्रवाह शुरू हुआ है। इन योजनाओं के परिपक्वता प्रोफाइल पर चिंता जताते हुए एफटीएमएफ ने कहा कि ये योजनाएं अपने परिपक्वता से पहले पोर्टफोलियो की परिसंपत्तियों को भुनाने के सभी विकल्पों का पता लगाएंगी। जबकि हमारा उद्देश्य परिपक्वता तिथि से पहले रकम लौटाना है क्योंकि फंड हाउस संकट में बिक्री नहीं करना चाहता है।

निवेशक जल्द ही फंड हाउस की ओर से एक ईमेल प्राप्त करेंगे जिसमें मतदान प्रक्रिया के बारे में बताया जाएगा। प्रत्येक योजना के लिए मतदान की प्रक्रिया अलग-अलग आयोजित की जाएगी। इसका मतलब यह है कि यदि किसी निवेशक के पास एक या अधिक योजनाओं में निवेश है तो वह अपने निवेश वाली प्रत्येक योजना के लिए बारी-बारी से मतदान कर सकेंगे। एफटीएमएफ ने दोहराया है कि वह भारत के लिए प्रतिबद्ध है और उसे भलीभांति पता है कि अपनी ब्रांड प्रतिष्ठा को नए सिरे से तैयार करने और निवेशकों का भरोसा हासिल करने के लिए यूनिटधारकों को इस अभूतपूर्व समय में जल्द से जल्द हरसंभव अधिकतम मूल्य का भुगतान कराया जाए।

अब आर्बिट्रेज योजनाओं की ओर निवेशकों का दिख रहा झुकाव

जश कृपलानी
मुंबई, 15 मई

आर्बिट्रेज योजनाएं निवेशकों के रेडार पर लौट आई है क्योंकि इस श्रेणी में अप्रैल में 6,587 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश देखने को मिला है और निवेशक इसे डेट योजनाओं के विकल्प के तौर पर देख रहे हैं, जहां निवेशकों की अवधारणा तब कमजोर हो गई जब फ्रैंकलिन टेम्पलटन ने अपनी छह डेट योजनाएं बंद कर दी।

एडलवाइस म्युचुअल फंड की मुख्य कार्याधिकारी राधिका गुप्ता ने कहा, मार्च में इस श्रेणी से काफी निकासी हुई थी, जिसकी वजह नकदी व वायदा बाजारों के बीच अस्थायी अस्तव्यस्तता और साल के आखिर की अपनी नकदी जरूरत के लिए निवेशकों की तरफ से धन निकासी थी। लेकिन बाजार स्थिर हो रहा है, लिहाजा निवेशक इस श्रेणी को निवेश के वैकल्पिक जरिए के तौर पर देख रहे हैं और क्रेडिट या अन्य डेट मार्केट संबंधी जोखिम वाली

डेट योजनाओं से विरक्ति ने इस श्रेणी में दिलचस्पी बढ़ाने में योगदान किया है

श्रेणियों से परहेज कर रहे हैं। आर्बिट्रेज श्रेणी से मार्च में शुद्ध रूप से 33,767 करोड़ रुपये की निकासी हुई क्योंकि बाजार में काफी ज्यादा उतारचढ़ाव ने वायदा बाजार की कीमत काफी ज्यादा घटा दी और उसका कारोबार हाजिर नकदी बाजार की कीमतों के मुकाबले छूट पर हुआ।

प्राइमइन्वेस्टर डॉट इन की सह-संस्थापक विद्या बाला ने कहा, डाउनग्रेडिंग के जोखिम के कारण डेट योजनाएं को लेकर दूरी आर्बिट्रेज में निवेश में बढ़ोतरी की प्राथमिक वजह है। साथ ही नकारात्मक स्प्रेड के आसान होने से भी निवेशक अपनी रकम यहां लगाने को लेकर सहज हुए। आर्बिट्रेज फंड नकदी बाजार में शेयर खरीदते हैं और वायदा बाजार में बेचते हैं, जहां शेयरों में प्रीमियम पर कारोबार की प्रवृत्ति होती है। बाजार के स्थिर होने के साथ ऐसी योजनाओं के स्प्रेड में सुधार हुआ है।

कुछ सलाहकारों ने कहा कि आर्बिट्रेज योजनाओं पर विचार करने वाले निवेशकों को कुछ सतर्कता बरतनी चाहिए। मुंबई के एमएफ वितरक आर. देसाई ने कहा, निवेशकों को सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि हमने मार्च में हुए उतारचढ़ाव के चलते आर्बिट्रेज योजनाओं के रिटर्न पर असर देएखा है। ये योजनाओं उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है जो अपनी रकम छह से 12 महीने के लिए लगाना चाहते हैं।

आर्बिट्रेज योजनाओं में पिछले वित्त वर्ष में खासा निवेश देखने को मिला था क्योंकि निवेशक सुरक्षात्मक दांव लगाना चाहते थे। पिछले वित्त वर्ष की शुरुआत से निवेशकों की आर्बिट्रेज योजनाओं में परिसंपत्तियां 71 फीसदी बढ़कर 87,000 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो पहले 50,839 करोड़ रुपये रही थी।

यूको बैंक UCO BANK
सम्मान आपके विश्वास का
(भारत सरकार का उपक्रम)
प्रधान कार्यालय - II, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
3 और 4, डी डी ब्लॉक, सेक्टर -I, साल्ट लेक, कोलकाता - 700064

निविदा की सूचना

यूको बैंक निम्नलिखित मदों हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आर.एफ.पी) आमंत्रित करता है:-
1. ओपेक्स मॉडल पर एटीएम की ई-निगरानी प्रणाली के कार्यान्वयन हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आर.एफ.पी)।
2. कॉल सेंटर एजेंटों के माध्यम से ग्राहक सहायता प्रदान करने के लिए विक्रेता के चयन हेतु प्रस्ताव के लिए अनुरोध (आर.एफ.पी)।
किसी भी विवरण के लिए कृपया https://www.ucobank.com वेबसाइट पर देखें।
दिनांक :16.05.2020 उप महाप्रबंधक (सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, बीपीआर एवं बीटीडी)

भारतीय कंटेनर निगम लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम रेल मंत्रालय)
एक नवरत्न कंपनी
601-603, छठा तल, नवकेतन बिल्डिंग, एस.डी. रोड, सिकन्दराबाद - 03. तेलंगाना फ़ोन : 040-27808938/3
सीआईएन: एल 63011 डीएल 1988 जीओआई 030915
निविदा सं. कॉन/एससीआर/सीआरएस/2020/1 दिनांक : 16-05-2020
निविदा सूचना (केवल ई-निविदाकरण माध्यम)

कॉनकॉर द्वारा टी.एस. के ओसीडी/डीसीटी-सनतनगर, डीसीटी नागलपल्ली (एनपीएल) और दक्षिण मध्य क्षेत्र के सीएनजीटी/जीएनटी व एमएमएलपी/वीएसकेपी (आं.प्र.) और तदर्थ स्थानों पर आईआईसीएल विनिर्देशनों के अनुसार क्षतिग्रस्त आईएसओ/डोमेस्टिक कंटेनरों प्रमुख और छोटे मरम्मत कार्यों को करने के लिए स्थान को पट्टे पर देने कंटेनर मरम्मत सुविधा को स्थापित करने के लिए दो बोली प्रणाली में ऑनलाइन खुली ई-निविदा आमंत्रित है।

1.	अनुमानित मूल्य : रु. 60 लाख	2.	ठेका की अवधि : 1+1 वर्ष
3.	पूर्व धरोहर राशि : रु. 1,20,000/-	4.	निविदा दस्तावेज का मूल्य : रु. 1,000/- (जीएसटी मिलाकर)
5.	निविदा प्रोसेसिंग शुल्क : रु. 3,540/- (करों को मिलाकर)		
6.	बिक्री (ऑनलाइन) की तिथि : 18-05-2020 (11:00 बजे) से 09-06-2020 (16:00 बजे) तक		
7.	निविदा को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय : 11-06-2020 को 17:00 बजे तक		
8.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय : 12-06-2020 को 16:00 बजे		

पात्रता मानदंडों एवं अन्य विवरणों के लिए कृपया www.tenderwizard.com/CCIL या www.concorindia.com या www.eprocure.gov.in को लॉग इन करें या अधोहस्ताक्षरी से संपर्क करें। यदि कोई शुद्धिपत्र हो तो उसे प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि से पहले केवल उपरोक्त वेबसाइटों पर ही जारी किया जाएगा। अत:, बोलीदाताओं से आग्रह है कि नियमित रूप से वेबसाइटों को देखें। हस्ता/- मुख्य महाप्रबंधक, एससीआर-सिकंदराबाद

भारतीय खाद्य निगम FOOD CORPORATION OF INDIA
हैडक्वार्टर्स, नई दिल्ली-110001
FUNDS DIVISION

अल्पावधि ऋण हेतु आमंत्रण का प्रस्ताव
भारतीय खाद्य निगम द्वारा 3 माह की समयावधि हेतु अनुसूचित बैंकों से अल्पावधि ऋण के माध्यम से रू. 25000 करोड़ की राशि ग्रीन शू आप्शन के साथ उधार लेने हेतु विचार किया जा रहा है (अल्पावधि ऋण के माध्यम से लिया लाने वाला उधार किसी भी समय रू. 75000 करोड़ की सीमा से अधिक नहीं होगा)। अधिक जानकारी के लिए https://eprocure.gov.in /eprocure /app और http://fci.gov.in/tender.php देखें। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 21.05.2020 को अपराह्न 11:00 बजे तक है। मुख्य महाप्रबंधक (वित्त)
टेली-फैक्स 011-43527312

Sicagen
सिकाजेन इंडिया लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: 4वां तल, स्पिक हाऊस,
नं. 88, माउंट रोड, गिंडी, चेन्नै–600032
सीआईएन: L74900TN2004PLC053467

सार्वजनिक सूचना

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि सेबी (इक्विटी शेयरों की डिलिस्टिंग) नियमन, 2009 के नियम 6 व 7 और अन्य लागू प्रावधानों यदि कोई हो, के अनुपालन में, उपर्युक्त नियमनों के तहत, सिकाजेन इंडिया लिमिटेड ("कंपनी") नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि. (एनएसई) से इक्विटी शेयरों के स्वैच्छिक असूचीबद्ध करने हेतु आवेदन करने की प्रक्रिया में है।
कंपनी के निदेशक मंडल ने मार्केट में नगण्य ट्रेडिंग पर विचार करते हुए और प्रशासनिक लागत व अतिरिक्त अनुपालन आवश्यकताओं आदि से बचने के एक प्रयास से सेबी के उपरोक्त असूचीबद्धता नियमनों के अनुपालन में एनएसई से इक्विटी शेयरों की उक्त स्वैच्छिक असूचीबद्धता का 23 अप्रैल, 2020 को आयोजित अपनी बैठक में अनुमोदन कर दिया है।
हालांकि, कंपनी के इक्विटी शेयरों की बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लि. (बीएसई) जिनके ट्रेडिंग टर्मीनलों का देशव्यापी नेटवर्क है, में सूचीबद्धता जारी रहेगी और एनएसई से शेयरों की असूचीबद्धता से निवेशकों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

हिते सिकाजेन इंडिया लिमिटेड
आर. चंद्रशेखर
पूर्णकालिक निदेशक
दिनांक: 15.05.2020
स्थान: चेन्नै

बिज़नेस स्टैंडर्ड
दिल्ली संस्करण

बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस (प्रा.) लिमिटेड, ए-8, सेक्टर-7, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर-201301, उ. प्र. से मुद्रित एवं नेहरु हाउस, 4 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित
संपादक: कैलाश नौटियाल

आरएनआई न० WBHIN/2008/24333
पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।
टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स- 033-22101599
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए कृपया संपर्क करें..
सुश्री मानसी सिंह
हेड कस्टमर रिलेशन्स
बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, तीसरी और चौथी मंजिल, बिल्डिंग एच,
पैरागन सेंटर, सेंचुरी मिल्स के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई 400 013
ई मेल.. subs_bs@bsmail.in
या 57007 पर एसएमएस करें SUB BS

डिसक्लेमर.. बिज़नेस स्टैंडर्ड में प्रकाशित समाचार रिपोर्ट और फीचर लेखों के माध्यम से बाजारों, कॉर्पोरेट जगत और सरकार से जुड़ी घटनाओं की निष्पक्ष तस्वीर पेश करने का प्रयास किया जाता है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के नियंत्रण एवं जानकारी से परे परिस्थितियों के कारण वास्तविक घटनाक्रम भिन्न हो सकते हैं। समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर पाठकों द्वारा किए जाने वाले निवेश और लिए जाने वाले कारोबारी निर्णयों के लिए बिज़नेस स्टैंडर्ड कोई ज़िम्मेदारी नहीं लेता है। पाठकों से स्वयं निर्णय लेने की अपेक्षा की जाती है। बिज़नेस स्टैंडर्ड के सभी विज्ञापन सद्भाव में स्वीकार किए जाते हैं। इनके साथ बिज़नेस स्टैंडर्ड न तो जुड़ा हुआ है और न ही उनका समर्थन करता है। विज्ञापनों से संबंधित किसी भी प्रकार का दावा संबंधित विज्ञापनदाता से ही किया जाना चाहिए। मै० बिज़नेस स्टैंडर्ड प्रा० लि० का सर्वाधिकार सुरक्षित है। बिजनेस स्टैंडर्ड प्रा० लि० से लिखित अनुमति लिए बगैर समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी सामग्री का किसी भी तरह प्रकाशन या प्रसारण निषिद्ध है। किसी भी व्यक्ति या वैधानिक निकाय द्वारा इस तरह का निषिद्ध एवं अनधिकृत कार्य करने पर दीवानी और फौजदारी कार्यवाही शुरु की जाएगी।

कोई हवाई अधिभार नहीं

क्रेडिट लाइन में एमएफ की सीमित भागीदारी

जश कृपलानी
मुंबई, 15 मई

डेट म्युचुअल फंडों (एमएफ) के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा खोली गई क्रेडिट लाइन में सीमित भागीदारी देखी गई है। इसके तहत 50,000 करोड़ रुपये में से महज 2,430 करोड़ रुपये की नकदी का इस्तेमाल किया गया है।

उद्योग प्रतिभागियों के अनुसार, म्युचुअल फंडों ने आरबीआई की क्रेडिट लाइन के जरिये ताजा उधारी लेने के बजाय बैंकों एवं अन्य पक्षों को प्रतिभूतियां बेचने को प्राथमिकता दे रहे हैं। एक डेट फंड मैनेजर ने कहा, 'म्युचुअल फंड ऋण पत्रों को बाजार में बैंकों अथवा अन्य पक्षों को बेचना चाहते थे। इस बिक्री के परिणामस्वरूप कुछ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के ऋण पत्रों में भी वृद्धि देखी गई।'

फ्रैंकलिन टेम्पलटन एमएफ की छह क्रेडिट-ओरिएंटेड योजनाओं को बंद करने की पहल के बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने 27 अप्रैल को म्युचुअल फंडों के लिए दो सप्ताह के लिए 50,000 करोड़ रुपये की विशेष ऋण कार्यक्रम शुरू किया था। इसे 11 मई तक जारी रखा गया था।

इस कार्यक्रम के तहत म्युचुअल फंडों को बैंक तीन तरीके से नकदी प्रवाह में कर सकते हैं- म्युचुअल फंडों को ऋण देकर, जमानत के एवज में ऋण देकर और म्युचुअल फंडों के वाणिज्यिक पत्रों एवं डिबेंचरों की एकमुश्त खरीदकर। बैंकों के अनुरोध पर आरबीआई ने उन्हें इस कार्यक्रम के नियामकीय फायदे की अनुमति दी थी भले ही बैंकों ने म्युचुअल फंडों को ऋण देने के लिए आरबीआई के संसाधनों बजाय खुद के संसाधनों का ही इस्तेमाल क्यों न किया हो। हालांकि म्युचुअल फंडों को यह सुविधा देने के लिए बैंकों द्वारा व्यवस्था की गई वास्तविक रकम को निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

आरबीआई ने इस ऋण कार्यक्रम के तहत बैंकों को म्युचुअल फंडों से बॉन्ड खरीदने की अनुमति दी थी, भले ही वह कुल निवेश के 25 फीसदी से अधिक ही क्यों न हो। एक अन्य फंड मैनेजर ने कहा, 'बैंकों ने इस ऋण कार्यक्रम का इस्तेमाल ऋण देने के बजाय म्युचुअल फंडों से ऋण पत्रों को खरीदने कि लिए किया होगा।'

विशेषज्ञों का कहना है कि रिडम्पशन अब नियंत्रण में है। एक फंड मैनेजर ने कहा, 'आरबीआई के ऋण कार्यक्रम के तहत म्युचुअल फंडों को ऋण देने के लिए एक बड़ी निधि की पेशकश की गई थी जो निवेशकों की चिंता को दूर करती है। साथ ही गैर-एएए पत्रों पर प्राप्तियों में अब 20 से 25 आधार अंकों का सुधार हुआ है जिससे बाजार में थोड़ी राहत दिखती है।'

- म्युचुअल फंडों ने आरबीआई की क्रेडिट लाइन के महज 5 फीसदी का उपयोग किया
- इसके तहत 50,000 करोड़ रुपये में से महज 2,430 करोड़ रुपये की नकदी का इस्तेमाल किया गया
- विशेषज्ञों ने कहा, बैंकों ने इस ऋण कार्यक्रम का इस्तेमाल ऋण देने के बजाय म्युचुअल फंडों से ऋण पत्रों को खरीदने कि लिए किया होगा

मार्च में कोविड-19 वैश्विक महामारी और उसकी रोकथाम के लिए देशव्यापी लॉकडाउन के कारण पैदा हुए आर्थिक व्यवधान के कारण कई ऋण योजनाओं के पोर्टफोलियो में नकदी की उल्लेखनीय नकारात्मक स्थिति दिखी थी। कुछ मामलों में तो उधारी की सीमा योजना परिसंपत्ति की 20 फीसदी तक पहुंच गई थी जो नियामकीय सीमा है।

एक अन्य फंड हाउस के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'डेट म्युचुअल फंडों ने ताजा उधारी को इसलिए भी नजरअंदाज किया होगा क्योंकि वे आश्वस्त थे कि उनका पोर्टफोलियो भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड द्वारा निर्धारित 20 फीसदी सीमा के भीतर है।'